सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 348 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 27 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है
-हेलेन केलर

तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष दो टी20... 7 | महाराष्ट्र के बाद गुजरात में शहर... 3 | बांटने की राजनीति के अलावा कुछ... 2

शंकराचार्य और यूजीसी विवाद भाजपा को करेगा बर्बाद !

शंकराचार्य कौन, वाइस-चांसलर कौन, तय करेगा कौन?

» **गरमाई राजनीति** : बीजेपी के लिए एक तरफ कुंआ। दूसरी तरफ खाई वाली हालत

» यूजीसी का विरोध चरम पर, शंकराचार्य के समर्थन में इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। धर्म हो या शिक्षा दोनों की ताकत हमेशा से ही उनकी स्वतंत्रता रही है। लेकिन आज के इस हाइटेक दौर में धर्म और शिक्षा दोनों को ही कंट्रोल किये जाने के आरोप अब पब्लिक डोमेन से लगने शुरू हो गये हैं। ताजा उदहारण स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और यूजीसी विवाद के तौर पर सामने आया है।

विवाद के बाद सवाल यह नहीं रहे कि नियम क्या कहते हैं सवाल यह उठना शुरू हो गये हैं कि नियम कौन लिख रहा है? और किस मकसद से नियम लिखे जा रहे हैं? जब एक संत को प्रशासनिक नोटिस के जरिए उसकी पहचान समझाई जाए और जब एक प्रोफेसर को अध्यादेश के जरिए उसकी हैसियत बताई जाए तब यह सिर्फ़ विवाद नहीं रहता यह सत्ता के स्वभाव का बयान बन जाता है।

एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

भारतीय जनता पार्टी इस वक्त ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां आगे कदम बढ़ाना भी जोखिम है और पीछे हटना भी। एक तरफ यूजीसी अध्यादेश को लेकर सवर्ण असंतोष सुलग रहा है तो दूसरी तरफ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विवाद ने उस वैचारिक जमीन को हिला दिया है जिसे बीजेपी अपनी सबसे सुरक्षित शरणस्थली मानती रही है। धर्म और परंपरा यही वह स्थिति है जिसे राजनीति की भाषा में कहा जाता है कि एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई।

विपक्ष की बल्ले-बल्ले

विपक्ष के लिए यह विवाद किसी आंदोलन से कम नहीं। कांग्रेस और अन्य दल खुलकर सवर्ण असंतोष को हवा भी नहीं दे सकते और संत समाज के नाम पर राजनीति भी सावधानी से करनी पड़ती है लेकिन वह एक बात बारबार दोहरा रहे हैं कि यह सरकार हर संस्था को अपने हिसाब से ढालना चाहती है। यह नैरेटिव अगर टिक गया तो यह चुनावी नहीं बल्कि दीर्घकालिक वैचारिक नुकसान होगा। विपक्ष जानता है कि बीजेपी को हराने का रास्ता सीधे वोट से नहीं बल्कि भरोसे में सेंध से निकलता है।

नाटकीय घटनाक्रम में अधिकारी का इस्तीफा

एक नाटकीय घटनाक्रम में बरेली नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के तहत पूजनीय संतों के साथ किए जा रहे व्यवहार और कथित तौर पर उच्च जातियों के साथ भेदभाव को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया अग्निहोत्री ने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा है कि उनका यह निर्णय किसी व्यक्तिगत या व्यावसायिक स्वार्थ के बजाय आत्मसम्मान, अंतरात्मा और समाज के प्रति जवाबदेही पर आधारित है। अपने इस्तीफे पत्र में उन्होंने प्रयागराज माघ मेले में हुई घटना की कड़ी निंदा की है जहां मौनी अमावस्या पर पवित्र स्नान के लिए संगम में प्रवेश को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्यों के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई और उन्हें बालों से घसीटा गया। इस कृत्य को ब्राह्मणों और संतों का घोर अपमान बताते हुए अग्निहोत्री ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन मौन रूप से उत्पीड़न का समर्थन कर रहा है। उन्होंने पत्र में भी कड़े शब्दों का प्रयोग किया जिसे उन्होंने लक्षित उत्पीड़न और भेदभाव करार दिया। उन्होंने इस घटना को मानवता पर कलंक बताया। इस विवाद को व्यापक शिकायतों से जोड़ते हुए अग्निहोत्री ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम 2026 की आलोचना की।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मामला

दूसरी तरफ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का मामला है। यहां सवाल धर्म का नहीं बल्कि धर्म पर नियंत्रण का बनता जा रहा है। शंकराचार्य परंपरा जैसी संस्था में प्रशासनिक हस्तक्षेप की आहट ने साधु संत समाज को असहज किया है। बीजेपी की राजनीति का बड़ा आधार यह विश्वास रहा है कि वह धर्म की रक्षक है लेकिन जब वही सत्ता यह तय करती दिखे कि कौन वैध धार्मिक प्रतिनिधि है और कौन नहीं तो समर्थन की जगह संदेह जन्म लेता है। यह वही क्षेत्र है जहां बीजेपी आमतौर पर निहत्थी नहीं उतरती लेकिन इस बार तलवार दोधारी साबित हो रही है। इन दोनों विवादों को जोड़ने वाली डोर साफ है। संस्थाओं की स्वायत्तता बनाम सत्ता का नियंत्रण। फर्क बस इतना है कि एक में संस्था विश्वविद्यालय है दूसरी में धर्मपीठ। और दोनों ही मामलों में बीजेपी पर आरोप यह बन रहा है कि वह व्यवस्थापक नहीं नियंता की भूमिका में दिख रही है। यही वह बिंदु है जहां विपक्ष को मौका मिलता है।

कुंद हो सकती है वैचारिक धार

यूजीसी अध्यादेश पर विरोध सिर्फ नीति का नहीं है यह सामाजिक शक्ति संतुलन का विरोध है। उच्च शिक्षा में नियुक्ति, प्रमोशन और नियंत्रण को लेकर जो संकेत इस अध्यादेश से मिलते हैं उन्होंने सवर्ण तबके को बेचैन कर दिया है। यह वही तबका है जो दशकों से विश्वविद्यालयों अकादमिक परिषदों और बौद्धिक मंचों पर अपनी निर्णायक मौजूदगी बनाए हुए था। बीजेपी जानती है कि यह वर्ग वैचारिक रूप से उसका समर्थक है लेकिन यही वर्ग जब असंतोष में जाता है तो शोर भी करता है और नैरेटिव भी गढ़ता है। खतरा यही है वोट भले न टूटे लेकिन वैचारिक धार कुंद हो सकती है।

केशव मौर्य के तीखे बयान, संत के चरणों में प्रणाम

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर तीखे बयान देकर सियासी और धार्मिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। केशव मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि वह शंकराचार्यों का सम्मान करते हैं लेकिन कुछ लोग इस मुद्दे का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा मैं तो बस उनके चरणों में प्रणाम करता हूं। उन्होंने शंकराचार्य को लेकर चल रहे विवाद पर दो टूक कहा कि ऐसे लोगों को किसी भी तरह का राजनीतिक लाभ मिलने वाला नहीं है।

बीजेपी में खींचतान शुरू

इसी दबाव के बीच बीजेपी के भीतर की खींचतान भी सतह पर आ गई है। उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य का मोर्चा संभालना सिर्फ़ संगठनात्मक सक्रियता नहीं है यह एक संकेत है कि पार्टी के भीतर सब कुछ एकसुर में नहीं चल रहा। बीजेपी अपने सामाजिक संतुलन को नए सिरे से साधने की कोशिश कर रही है। लेकिन यही कोशिश सवर्ण नेतृत्व को और असहज करती है। अंदरखाने टकराव का यह स्तर भले सार्वजनिक बयानबाज़ी में न दिखे लेकिन रणनीति की हर परत में मौजूद है। हकीकत यह है कि बीजेपी इस वक्त जिस संकट से जूझ रही है वह विरोध का नहीं विश्वास के पुनर्संतुलन का संकट है। सवर्ण, पिछड़ा, संत समाज सब अलग अलग कारणों से सवाल पूछ रहे हैं।

बांटने की राजनीति के अलावा कुछ नहीं कर सकती भाजपा: अखिलेश

गंगोत्री मंदिर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने पर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला जारी है। अबकी बार उन्होंने उत्तराखंड सरकार को आड़े हाथों लिया है। सप प्रमुख ने धामी सरकार की गंगोत्री धाम में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने के निर्णय के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इस फैसले और बीजेपी की राजनीति पर सीधा निशाना साधा है।

उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बीजेपी के लोग आज किसी और के लिए कह रहे हैं, कल हमारे लिए कहेंगे, हमने वो दौर भी देखा है जब मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धो रहे थे, क्या ये भारत में संभव है ये बातें। उन्होंने बयान में इसे बांटने की राजनीति करार दिया और कहा कि ये नफरत फैलाने का जो ये तरीका है।

बीजेपी के लोग लोकसभा की तरह बंगाल में भी हारेंगे

ये लोग (बीजेपी) लोकसभा में यूपी में भी हारे और बंगाल में भी हारेंगे। अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय आया है जब मंदिर समितियों के फैसलों को लेकर देशभर में बहस छिड़ गई है।

गंगोत्री मंदिर समिति के इस फैसले पर बवाल

बता दें कि उत्तराखंड के आध्यात्मिक सर्किट से जुड़ी इस अहम जानकारी के मुताबिक गंगोत्री मंदिर समिति ने हाल ही में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि गंगोत्री धाम परिसर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। समिति का कहना है कि यह कदम मंदिर की पवित्रता, परंपराओं और प्राचीन धार्मिक मर्यादाओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उठाया गया है.गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध केवल मुख्य मंदिर तक सीमित नहीं रहेगा। इसे मुखबा गांव में भी सख्ती से लागू किया जाएगा. मुखबा वही गांव है जो सर्दियों के दौरान मां गंगा का शीतकालीन प्रवास स्थल होता है. जब गंगोत्री धाम के कपाट बंद रहते हैं तब यहीं देवी की पूजा होती है, जिससे इस गांव का धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है।

देशहित के ऊपर जाति और बिरादरी को ना रखें: नेहा सिंह

» लोक गायिका ने किया यूजीसी बिल का सपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूजीसी मामले पर लोकगायिका नेहा सिंह राठौर की प्रतिक्रि या भी सामने आई है। उन्होंने विरोध करने वालों से अपील की कि वे देशहित के ऊपर जाति और बिरादरी को ना रखें। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नेहा सिंह राठौर ने ढाई मिनट का वीडियो बनाकर पोस्ट किया है। इसमें वह कहती है- चोरी के खिलाफ कानून बनने से कौन तिलमिलाएगा जो चोर होगा।

अत्याचार के खिलाफ कानून बनने से कौन खफा होगा जो अत्याचारी होगा। भेदभाव रोकने वाले कानूनों का विरोध कौन करेगा जो भेदभाव करता होगा। अगर कोई कानून किसी समूह या वर्ग को बचाने के लिए बनाया जाता है तो इसमे दिक्कत क्या है। जातिगत भेदभाव और पक्षपात हमारे समाज की पुरानी बीमारी है। लोकगायिका कहती हैं- पुरानी बीमारियों का इलाज कड़वी दवाइयों से ही होता है। एससी-एसटी एक्ट ऐसी ही कड़वी दवाई थी जिसका भरपूर विरोध किया गया था। आरक्षण भी ऐसी ही एक कड़वी दवा है जिसका विरोध हुआ। कड़वी दवा से ही बीमारी ठीक होती है। कही कुछ लोग इस बात से नाराज तो नहीं हैं कि अब वे दूसरों को अपमानित नहीं कर पाएंगे। कहीं उनको ये तो नहीं लगा रहा कि इससे उनका अवैध विशेषाधिकार छिनने वाला है।

केंद्र एवं राज्य सरकारों की बातें केवल छलावा: मायावती

बसपा की मांग- कांशीराम को 'भारत रत्न' दिया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और पार्टी संस्थापक कांशीराम को 'भारत रत्न' दिए जाने की मांग की।

मायावती ने कहा कि आज के दिन अपने बेहतरीन संविधान पर गर्व करने के साथ-साथ इस दिन का विशेष महत्व तभी है जब सरकारों के बड़े-बड़े दावों और लुभावने वादों की भूल-भुलैया से अलग हटकर ईमानदारी से यह आकलन किया जाये कि क्या केंद्र एवं राज्य सरकारों की बातें केवल छलावा हैं या संविधान की सर्व समाज हितैषी सच्ची मंशा के हिसाब से देश ने राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र के क्षेत्र में अपेक्षित विकास कर लोगों के जीवन स्तर में कुछ अपेक्षित सुधार किया है?'' मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''समस्त देशवासियों तथा दुनिया भर में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों एवं उनके परिवार वालों को आज 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा करके ही देश की ज्वलंत समस्याओं को दूर करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। बसपा प्रमुख

ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा के लिये गणतंत्र दिवस पर पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्मश्री तथा सर्वोच्च वीरता पुरस्कार से सम्मानित लोगों एवं उनके परिवार वालों को बधाई दी। उन्होंने अपनी एक पुरानी मांग दोहराते हुए कहा, ''देश में 'बहुजन समाज' के करोड़ों गरीबों, शोषितों-पीड़ितों एवं उपेक्षित लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करके उन्हें आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान का जीवन दिलाने के संघर्ष के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता एवं संस्थापक कांशीराम को देश भर में उनके करोड़ों समर्थकों की इच्छा के अनुसार, अब और देरी किए बिना भारत रत्न से सम्मानित किया जाए तो यह उचित होगा। '' उन्होंने कहा कि कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग बसपा लगातार करती आ रही है।

पार्टी के लिए आकाश आंनद पूरी ताकत लगाएगी

बहुजन समाज पार्टी अपने वजूद को बचाने के लिए पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में जुट गई है। इसके तहत मार्च माह से पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की प्रदेश भर में जनसभाओं और रोड शो आयोजित करने का कार्यक्र म तय किया जा रहा है। पार्टी के युवा चेहरे के रूप में वह संगठन को मजबूत करने के साथ मूल वोट बैंक को भी संगठित करने की मुहिम चलाएंगे। सूत्रों की मानें तो बसपा सुप्रीमो मायावती की अंतिम मुहर के बाद इसकी तैयारी शुरू कर दी जाएगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने जन्मदिन पर साफ कर दिया था कि वह अगले सभी चुनाव अकेले दम पर लड़ेंगी और पार्टी मूवमेंट के हित में कड़े फैसले लेने से पीछे नहीं हटेंगी। उन्होंने अपनी सेहत भी ठीक होने का दावा किया था, हालांकि पार्टी सूत्रों की मानें तो आकाश आनंद को यूपी की जिम्मेदारी देने के साथ पूरे प्रदेश का दौरा करने का अहम कार्य सौंपा जा सकता है।

संविधान को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं: तेजस्वी

» राजद के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और देश के मौजूदा राजनीतिक व संवैधानिक हालात पर गहरी चिंता जताई।

यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि गणतंत्र दिवस स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान निर्माताओं और अमर शहीदों को स्मरण करने का पावन अवसर है। उन्होंने उन सभी वीरों को नमन किया जिन्होंने अपनी जान की कुर्बानी देकर देश को आजादी दिलाई और इसकी एकता व अखंडता की रक्षा की। यादव ने कहा कि राजग सरकार की सामाजिक, आर्थिक और संविधान-विरोधी नीतियों के कारण देश के हालात चिंताजनक हो गए हैं। यादव ने कहा कि संविधान लागू होने के दशकों बाद उसे और अधिक मजबूत करने के बजाय मौजूदा सरकार ऐसे कदम उठा रही है, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि जिन ताकतों का देश की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा, वही आज संविधान की मूल भावना पर प्रहार कर रही हैं। यादव ने यह भी कहा कि संविधान की प्रस्तावना को बदलने के प्रयास लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत हैं। उन्होंने राजग पर परोक्ष रूप से फासीवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश को जिस जनतांत्रिक व्यवस्था की सौगात स्वतंत्रता सेनानियों ने दी थी, उसे कमजोर किया जा रहा है। यादव ने देशवासियों से संकल्प लेने की अपील की कि वे भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक भारत का सपना साकार होने की बात कही और कहा कि सकारात्मक प्रयासों से ही देश को प्रगति व समृद्धि की राह पर आगे ले जाया जा सकता है।

बच्चों को बेहतर शिक्षा का संकल्प लें: अनुपम

» रालोद सचिव ने राष्ट्रीय ध्वज को किया नमन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मलिहाबाद स्थित महाबली मेमोरियल इंटर कॉलेज में विभिन्न कार्यक्र मों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर रालोद के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने राष्ट्रीय महासचिव शालिनी सिंह, राष्ट्रीय सचिव श्रीष चंद्र श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिव के विशेष प्रतिनिधि विजय श्रीवास्तव एवं प्रोफेशनल मंच के प्रदेश महासचिव विकास श्रीवास्तव ने विद्यालय में छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगारंग कार्य क्र मों का आनंद लिया।

राष्ट्रीय ध्वज को प्रणाम करने के उपरांत राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने अपने संबोधन में विद्यालय प्रबंधन सदस्यों एवं प्रधानाचार्य तथा शिक्षक गणों की अत्यंत मनमोहक प्रस्तुतियों के लिए सराहना की तथा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों से उनके बच्चों को श्रेष्ठतम शिक्षा देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सचिव ने बच्चों को उनके भविष्य निर्माण के लिए जागरूक भी किया।

महाराष्ट्र के बाद गुजरात में शहर की सरकार पर गरमाएगी सियासत

जोशी बनाम जोशी, किसे मिलेगा आशीष, भाजपा में आफत

» निगम चुनाव से पहले बढ़ी सियासी सरगर्मी

» आप की एंट्री से हलचल तेज

» हेमांग-भाजपा रुत्विज-कांग्रेस, आशीष-आप से भरेंगे दम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बाद गुजरात में शहर की सरकार पर सियासी वार पलटवार व मनुहार देखने को मिलेगी। भाजपा, कांग्रेस से लेकर आप तक कमर कस चुके हैं। नगर निगम चुनाव से पहले गुजरात की राजनीति में जोशी सरनेम वाले नेताओं के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा शहर अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश सोनी की मौजूदगी के बावजूद सांसद व गुजरात भाजयुमो प्रमुख रहे हेमांग जोशी की लोकप्रियता का इन चुनावों में इम्तिहान होगा।

वहीं भाजपा से निकाले गए पार्षद आशीष जोशी के बागी तेवर और अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद आप में उनकी संभावित एंट्री को लेकर चर्चाएं तेज हैं। वडोदरा, गुजरात का सांस्कृतिक और औद्योगिक केंद्र, लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ रहा है। महाराष्ट्र के बाद गुजरात में महानगरपालिका चुनावों की घोषणा होने वाली है। राजनीतिक विश्लेषक इन चुनावों को 2027 विधानसभा चुनावों से पहले का सेमीफाइनल मान रहे हैं। वडोदरा नगर निगम में बीजेपी का दबदबा दशकों पुराना है। लोकसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा है। वहीं अब इन चुनावों में जोशी सरनेम वाले तीन ब्राह्मण नेताओं, हेमांग जोशी, ऋत्विक जोशी और आशीष जोशी के बीच दिलचस्प मुकाबला होने वाला है।

कांग्रेस के रुत्विज जोशी पर दांव

रुत्विज जोशी वडोदरा सिटी कांग्रेस के अध्यक्ष हैं वे एमएसयू बारोडा के पूर्व छात्र हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव (महाराष्ट्र-मुंबई इंचार्ज), गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता रह चुके है। अकोटा विधानसभा से 2022 में चुनाव लड़े, जय जगत समूह से जुड़े बताए जाते हैं। वे शहर की कांग्रेस को मजबूत करने की कोशिश में हैं। वडोदरा में कांग्रेस कमजोर है। लेकिन स्थानीय मुद्दों पर हमला बोलते रहते हैं। नगर निगम चुनाव में उन्हें जोशी बनाम जोशी मुकाबले में भाजपा के खिलाफ मोर्चा संभालना होगा।

हेमांग जोशी की होगी अग्नि परीक्षा

हेमांग जोशी वडोदरा के मौजूदा सांसद हैं, वे एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से पढ़े हैं। डॉक्टरेट स्कॉलर, एचआर विशेषज्ञ है। 2024 में भाजपा ने उन्हें सरप्राइज कैंडिडेट बनाया। युवा चेहरे के रूप में चुना गया। हाल ही में (दिसंबर 2025 के आसपास) उन्हें गुजरात भाजपा युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया वे वडोदरा में युवाओं और ब्राह्मण समाज में लोकप्रिय हैं, वीएमसी चुनाव में उनकी लोकप्रियता का टेस्ट होगा। क्योंकि वे सांसद हैं और पार्टी की युवा शाखा का चेहरा है, शहर अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश सोनी हैं, लेकिन हेमांग की बढ़ती छवि अन्य दिग्गजों के लिए चुनौती है।

आशीष जोशी का पलड़ा भी भारी

आशीष जोशी वडोदरा म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के पार्षद रहे हैं। वे एमएसयू से पढ़े और मूल रुप से वडोदरा के है। डभोई विधायक शैलेश मेहता (सोट्टा) ने उन्हें राजनीति में लाया और छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय है। प्रखर हिंदुत्ववादी माने जाते हैं। हरनी बोट कांड के बाद वे पीड़ित परिवारों के पक्ष में खड़े हुए। वीएमसी पर सवाल उठाए, सीएम के कार्यक्रम का विरोध किया, भाजपा ने उन्हें 2025 में निलंबित कर दिया। मई 2025 में अरविंद केजरीवाल के दौरे में उन्होंने मुलाकात की। पीड़ित परिवारों के साथ केजरीवाल से मिले। अब चर्चा है कि क्या वे आप में शामिल हो सकते हैं। आप उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है अगर ऐसा हुआ तो तीन जोशी नेताओं (हेमांग-भाजपा, रुत्विज-कांग्रेस, आशीष-आप) के बीच सीधा घमासान होगा। आशीष जोशी ने लगातार वीएमसी पर हमला बोला। पीड़ित परिवारों की मदद की, न्याय की मांग की दो मांओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लेने का मामला भी विवादास्पद रहा। इसी वजह से पार्टी ने उन्हें निलंबित किया। आशीष अब स्वतंत्र लड़ रहे हैं या आप की ओर झुकाव दिखा रहे हैं यह घटना वीएमसी चुनाव में स्थानीय मुद्दा बनेगी।

वीएमसी में 76 पार्षद

वीएमसी में 76 पार्षद हैं। (19 वार्ड, हर वार्ड में 4 सीटें, आधी महिलाओं के लिए आरक्षित) है। भाजपा लंबे समय से नियंत्रण में है। नगर निगम चुनाव आमतौर पर 5 साल बाद होते हैं। पिछला चुनाव 2021 के आसपास हुआ था अगला 2026 में संभावित है। गुजरात राज्य चुनाव आयोग स्थानीय निकाय चुनाव चरणबद्ध तरीके से कराता है।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि महाराष्ट्र के बाद गुजरात के महानगरपालिकाओं (अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा आदि) में चुनाव जल्द घोषित हो सकते हैं इन्हें 2027 विधानसभा के टेस्ट के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि वडोदरा शहर में स्थानीय मुद्दे (सड़क, पानी, शिक्षा, हर्नी झील जैसी घटनाएं) विधानसभा चुनावों को प्रभावित करते हैं।

हेमांग जोशी ने दिग्गजों की नींद की खराब

वडोदरा में ब्राह्मण राजनीति हमेशा महत्वपूर्ण रही है। हेमांग जोशी के उभरने से चर्चा है कि दिग्गजों का क्या होगा। वडोदरा में महाराष्ट्रियन (मराठी भाषी) आबादी अच्छी खासी है। गायकवाड़ काल से महाराष्ट्र का प्रभाव है। जिसके चलते मराठी ब्राह्मण भी शामिल है, जोशी सरनेम दोनों समुदायों में आम है। हेमांग जोशी पोरबंदर (गुजराती ब्राह्मण) हैं लेकिन शहर में लोकप्रिय है.. महाराष्ट्रियन वोटर स्थानीय मुद्दों पर प्रभाव डालते हैं। कांग्रेस या आप इनको टारगेट कर सकती है। हेमांग जोशी, रुत्विज जोशी और आशीष जोशी तीनों महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा (एमएसयू) से पढ़े है। यह वडोदरा की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी है। छात्र राजनीति (एनएसयूआई, एबीवीपी आदि) से इनका जुड़ाव रहा है। यूनिवर्सिटी कैंपस छात्र नेताओं का अड्डा है। यह कॉमन बैकग्राउंड उन्हें शहर की युवा पीढ़ी से जोड़ता है। वीएमसी चुनाव वडोदरा की 7 विधानसभा सीटों (वडोदरा शहर, राओपरा, अकोटा, सायाजीगंज आदि) पर असर डालेंगे भाजपा को टिकट बंटवारा, बागी रोकना, स्थानीय मुद्दे (बोट कांड, सड़क दुर्घटनाएं, सफाई) संभालने होंगे। कांग्रेस को रुत्विज जैसे युवा चेहरों से फायदा उठाना होगा। अगर आशीष आप में गए तो त्रिकोणीय लड़ाई बनेगीऔर ब्राह्मण वोट बंट सकता है। वडोदरा में जोशी त्रय की अग्निपरीक्षा बीजेपी के गढ़ की मजबूती, कांग्रेस की वापसीऔर आप के संभावित एंट्री को टेस्ट करेगी। हर्नी कांड जैसे मुद्दे, युवा नेताओं का उभार और ब्राह्मण-महाराष्ट्रियन वोट बैंक निर्णायक होंगे.. चुनाव घोषणा जल्द हो सकती है। ये 2027 के सेमीफाइनल की झलक देंगे। विकास, सुरक्षा और जवाबदेही पर वोटर फैसला करेंगे।

वडोदरा पर सबकी नजर

वडोदरा गुजरात के 26 लोकसभा क्षेत्रों में से एक है। यह शहर गायकवाड़ राजवंश की राजधानी रहा है। यहां महाराष्ट्रियन समुदाय की अच्छी खासी आबादी है। क्योंकि ऐतिहासिक रूप से महाराष्ट्र से जुड़ाव रहा है। शहर की कुल आबादी करीब 22 लाख है। ब्राह्मण समुदाय, खासकर जोशी सरनेम वाले, यहां प्रभावशाली हैं। 2014 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने वडोदरा से चुनाव लड़ा और उन्होंने भारी जीत हासिल की। भाजपा को 8,45,464 (72.75 प्रतिशत), कांग्रेस को 2,75,336 (23.69 प्रतिशत) वोट मिले.. मार्जिन 5,70,128 वोट (49.06 प्रतिशत) रहा। यह रिकॉर्ड माना जाता है। बाद में मोदी ने सीट छोड़ी, उपचुनाव में रंजनबेन भट्ट जीतीं। 2019 में रंजनबेन भट्ट फिर जीतीं। भाजपा 8,83,719 वोट (72.30 प्रतिशत), कांग्रेस 2,94,542 (24.10प्रतिशत) वोट मिले.. 2024 में युवा नेता डॉ. हेमांग जोशी ने भाजपा टिकट पर चुनाव लड़ा.. उन्होंने 8,73,189 वोट (72.04 प्रतिशत) पाए। कांग्रेस के जशपालसिंह पढियार को 2,91,063 (24.01 प्रतिशत) वहीं वोट प्रतिशत 70 के ऊपर बना रहा.. यह बीजेपी की निरंतर मजबूती दिखाता है शहर में भाजपा की पकड़ इतनी मजबूत है कि लोकसभा में विपक्ष मुश्किल से 25प्रतिशत वोट पाता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर बंद हो नेतागिरी

गत 23 जनवरी को नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पूरे भारत में मनी। सत्ता से लेकर विपक्ष तक ने नेताजी की तारीफ में कसीदे पढ़े। उसके हमने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया। अब सवाल यही उठ रहा है कि नेता जी के नाम नेतागिरी कब तक चलेगी। भाजपा व खासतौर टीमएसी नेताजी के नाम पर एकदूसरे को घेरते हैं। पर लोगों का एक ही सवाल है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा क्यों है। अगर नेताओं को नेताजी के प्रति श्रद्धा है तो उनके दस्वाजें को सार्वजनिक किया जाए। खासतौर से इस मामले में केंद्र की जिम्मेदारी ज्यादा आवश्यक है। दरअसल उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फार्मोसा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था।

नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और जापानी द्वितीय विश्व युद्ध का उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे हैं और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई है। हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्राय: संदिग्ध माना गया है और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है।

“ लागों का एक ही सवाल है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा क्यों है। अगर नेताओं को नेताजी के प्रति श्रद्धा है तो उनके दस्वाजें को सार्वजनिक किया जाए। खासतौर से इस मामले में केंद्र की जिम्मेदारी ज्यादा आवश्यक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सख्त कानून और तकनीकी उपायों से हो समाधान

डॉ. सुधीर कुमार

मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है। भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे।

भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके। वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, 10 लाख रुपये या दवा की कुल कीमत का तीन गुना तक का भारी जुर्माना लगाया जाता है। न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है।

'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंतत: मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है। अक्सर देखा गया है कि एक राज्य में प्रतिबंधित दवा दूसरे राज्य में बेची जाती रहती है। एक एकीकृत डेटाबेस होने से किसी भी कोने में पकड़ी गई नकली दवा की जानकारी रियल-टाइम में देशभर के ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सकेगी, जिससे अपराधियों के भागने के रास्ते बंद हो जाएंगे। ड्रग विभाग की भूमिका को भी अब पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज' से ऊपर उठकर 'प्रौद्योगिकी मित्र' के रूप में विकसित होना होगा। अब अधिकारियों को केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें 'डेटा एनालिटिक्स' का विशेषज्ञ बनना होगा।

यदि किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में किसी ब्रांड की दवा की खपत अचानक और अस्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है, तो सिस्टम को स्वत: ही 'रेड फ्लैग' या चेतावनी जारी करनी चाहिए। इसके साथ ही, ड्रग इंस्पेक्टरों को अत्याधुनिक 'हैंडहेल्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' जैसे टेस्टिंग उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। ये उपकरण मौके पर ही, बिना पैकिंग खोले, दवा की शुद्धता की प्राथमिक जांच कर सकते हैं, जिससे लैब रिपोर्ट के लिए महीनों तक होने वाले इंतजार को खत्म किया जा सकता है।

सख्त कानून और तकनीकी उपायों से हो समाधान

पुष्परंजन

मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है। भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे।

भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके। वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है।

इसके साथ ही, 10 लाख रुपये या दवा की कुल कीमत का तीन गुना तक का भारी जुर्माना लगाया जाता है। न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंतत: मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है। अक्सर देखा गया है कि एक राज्य में प्रतिबंधित दवा दूसरे राज्य में बेची जाती रहती है। एक एकीकृत डेटाबेस होने से किसी भी कोने में पकड़ी गई नकली दवा की जानकारी रियल-टाइम में देशभर के ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सकेगी, जिससे अपराधियों के भागने के रास्ते बंद हो जाएंगे। ड्रग विभाग की भूमिका को भी अब पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज' से ऊपर उठकर 'प्रौद्योगिकी मित्र' के रूप में विकसित होना होगा। अब अधिकारियों को केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें 'डेटा एनालिटिक्स' का विशेषज्ञ बनना होगा। यदि किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में किसी ब्रांड की दवा की खपत अचानक और अस्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है, तो सिस्टम को स्वत: ही 'रेड फ्लैग' या चेतावनी जारी करनी चाहिए।

इसके साथ ही, ड्रग इंस्पेक्टरों को अत्याधुनिक 'हैंडहेल्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' जैसे टेस्टिंग उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। ये उपकरण मौके पर ही, बिना पैकिंग खोले, दवा की शुद्धता की प्राथमिक जांच कर सकते हैं, जिससे लैब रिपोर्ट के लिए महीनों तक होने वाले इंतजार को खत्म किया जा सकता है। नकली दवाओं के जाल को काटने के लिए हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि पक्का बिल मात्र एक रसीद नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, जो कानूनी लड़ाई और मुआवजे के लिए प्राथमिक सबूत बनता है। दवा खरीदते समय पैकेजिंग की बारीकियों जैसे धुंधली छपाई, गलत स्पेलिंग या टूटी सील पर पैनी नजर रखें। भारी छूट के लालच में न आएं। सतर्कता ही आपके स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों की रक्षा का एकमात्र मार्ग है। 'टॉर्ट लॉ' और उपभोक्ता कानूनों के तहत, नकली दवा से होने वाले शारीरिक और मानसिक नुकसान के लिए निर्माता और विक्रेता दोनों को जवाबदेह ठहराया जा सकता है।

घर पर बिना मैदे के बनाएं खस्ता मठरी

आज-कल लोग हेल्दी खाने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, इसीलिए मैदा खाने से पीछे हट रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि मैदा से बनी चीजें शरीर पर कई तरह के दुष्प्रभाव छोड़ती हैं। मैदा पचने में भारी होता है और लगातार सेवन करने पर वजन बढ़ना, पाचन समस्या और ब्लड शुगर असंतुलन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में लोग मैदा की मठरी भी खाने से पीछे हट रहे हैं। इसीलिए बिना मैदे की मठरी आप घर में ही आसानी से तैयार कर सकते हैं। ये मठरी न सिर्फ ज्यादा कुरकुरी बनती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब होती है। अगर आप चाय के साथ खाने के लिए हेल्दी स्नैक ढूंढ रहे हैं, तो बिना मैदे वाली खस्ता मठरी आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट विकल्प है। तो बस बिना देर किए आसान विधि से इसे तैयार करें।

सामान

2 कप गेहूं का आटा, ½ कप सूजी, 2 टेबलस्पून तेल या घी, स्वादानुसार नमक,1 टीस्पून अजवाइन, गुनगुना पानी, तेल - तलने के लिए।

विधि

बिना मैदे की मठरी बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी, नमक और अजवाइन डालें। फिर उसमें थोड़ा सा पिघला हुआ घी मिलाकर अच्छे से मिक्स करें। ध्यान रखें कि मिश्रण ऐसा हो कि मिश्रण को हाथ में दबाने पर बंध जाना चाहिए। यहीं से मठरी खस्ता बनती है। इसके बाद अब गुनगुने पानी से सख्त आटा गूंथें। मठरी के लिए आटा थोड़ा टाइट होना चाहिए। इससे तलने पर मठरी कुरकुरी बनती है।

आटे को गूंथने के बाद आटे की छोटी लोइयां बनाएं और मोटी गोल मठरी बेलें। बीच में कांटे से छेद कर दें जिससे मठरी फूलें नहीं। अब कड़ाही में तेल गरम करें और मठरी को धीमी आंच पर गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। धीमी आंच पर तलने से मठरी अंदर तक कुरकुरी बनती है। थोड़ा ठंडा होने दें और चाय के साथ सर्व करें। इस मठरी को 15-20 दिन तक एयरटाइट डिब्बे में स्टोर भी कर सकते हैं।

बिना स्टफिंग वाले चावल के फरे

दाल के फरे का नाम आते ही हर किसी के मुंह में पानी आ जाता है, लेकिन इसे बनाने में लगने वाली मेहनत कई बार लोगों को पीछे हटा देती है। कई घरों में तो दाल भिगोने से लेकर पीसने और फिर भरावन तैयार करने की झंझट के कारण इसका स्वाद बस त्योंहारों तक ही सीमित रह जाता है। ऐसे में अगर आप दाल के बिना भी बिल्कुल वैसे ही स्वादिष्ट और मुलायम फरे बनाना चाहते हैं, तो आप चावल के आटे से बनने वाले फरे बेहद आसान और झटपट तैयार कर सकते हैं। जिसे कोई भी कम मेहनत और कम सामग्री में तैयार कर सकता है। ये रेसिपी न सिर्फ हल्की और स्वादिष्ट है, बल्कि पाचन के लिहाज से भी बेहतरीन है। सुबह के नाश्ते से लेकर शाम के हल्के भोजन तक, चावल के फरे हर मौके के लिए परफेक्ट स्नैक बन सकते हैं।

लोगों को खाने में आयेगा मजा

सामान

चावल का आटा, नमक, तेल, सरसों के दाने, सूखी मिर्च, धनिया।

विधि

चावल के फरे बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में चावल का आटा लें और उसमें थोड़ा सा नमक डालकर इसे हल्के गर्म पानी की मदद से नरम आटा गूंथ लें। आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें ताकि ये अच्छी तरह से सेट हो जाए। अब आटे की पतली-लंबी लोई बनाएं और हल्की रोलिंग करके फरे का आकार दें। इसके बाद एक बड़े बर्तन में पानी उबालें और तैयार किए गए फरे इसमें डाल दें। फरे लगभग 10-12 मिनट में पानी की सतह पर तैरने लगेंगे, ये उनके पक जाने का संकेत है। जब ये पानी में तैरने लगे तो गैस बंद कर लें और इन्हें निकालकर ठंडा होने दें। अब हल्का सा तेल डालकर कड़ाही में डालकर उसमें सरसों के दाने और सूखी मिर्च के तड़का लगाएं। तड़का लगाने के बाद इसमें फरे डालें। जब ये सुनहरे हो जाएं तो बारीक कटा हरा धनिया डालें और फिर आखिर में इसे सीधे चटनी के साथ परोसें। हरी धनिया की चटनी, लहसुन की चटनी या खट्टे-मीठे अचार के साथ इसका स्वाद दोगुना हो जाता है।

हंसना मना है

टीचर- बताओ...सबसे चतुर प्राणी कौन सा है? गोलू- हिरण.. टीचर- कैसे? गोलू- सतयुग में प्रभु राम को फंसाया था और कलयुग में सलमान को...

पति- आज मैं बहुत टेंशन में हूं मूड खराब है और सिर भी दुख रहा है, पत्नी- अच्छा... खैर, ये सब छोड़ो, देखो मेरा नया पर्स।

टीचर- भोलू तुम परिंदों के बारे में सब जानते हो? भोलू- जी हां...टीचर-जरा बताओ कौन-सा परिंदा उड़ नहीं सकता? भोलू - टीचर, वो मरा हुआ परिंदा!

एक दर्जी बस में चढ़ा। उसके पास फोन आया। उसने फोन उठाया और बोला... तू हाथ काटकर रख, गला मैं आकर काटूंगा। इतना सुनकर पूरी बस खाली हो गई।

लोगों की बातें कभी दिल पर नहीं लेनी चाहिए। लोग तो अमरूद खरीदते समय पूछते हैं...मीठे हैं ना? फिर बाद में नमक लगाकर खाते हैं।

कहानी — मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा 'क्या वो उससे भी बड़ा जीव था?' उसके बच्चों ने कहा, 'हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा, 'क्या अब भी वो जीव बड़ा था?' बच्चों ने कहा, 'ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था।' मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृषभ

मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

कर्क

चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

सिंह

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कन्या

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला

कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। वाणी पर संयम आवश्यक है।

वृश्चिक

चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे।

मकर

घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

कुम्भ

शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन

घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

हॉलीवुड | मन की बात

हॉलीवुड में अभिनेत्रियों को समझा जाता है कठपुतली : क्रिस्टन स्टीवर्ट

बॉलीवुड में अक्सर ही अभिनेत्रियों के साथ होने वाले व्यवहार पर बहस होती है। इसको लेकर कई अभिनेत्रियों ने सवाल भी उठाए हैं। लेकिन अब ट्विलाइट फेम अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट ने हॉलीवुड में अभिनेत्रियों के साथ होने वाले व्यवहार पर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के साथ कठपुतलियों जैसा व्यवहार किया जाता है। वैरायटी के अनुसार, हॉलीवुड में अभिनेत्रियों के साथ होने वाले बुरे बर्ताव पर क्रिस्टन स्टीवर्ट ने कहा कि इंडस्ट्री में एक्ट्रेस के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाता है। मुझे आपको बताना ही होगा। लोग सोचते हैं कि कोई भी अभिनेत्री बन सकता है, लेकिन जब मैं पहली बार निर्देशक के तौर पर अपनी फिल्म के बारे में बात करने बैठी, तो मैंने सोचा वाह यह एक अलग ही अनुभव है। वे मुझसे ऐसे बात कर रहे हैं जैसे मैं कोई बुद्धिमान व्यक्ति हूं। निर्देशक के रूप में अपने हालिया डेब्यू के अनुभव के बारे में बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह धारणा है कि निर्देशकों के पास अलौकिक क्षमताएं होती हैं, जो सच नहीं है। यह धारणा पुरुषों द्वारा फैलाई गई है। ऐसा नहीं है कि मैं हर समय शिकायत करती रहती हूं, लेकिन महिलाओं के लिए यह स्थिति पुरुषों बदतर है। उनके साथ कठपुतलियों जैसा व्यवहार किया जाता है, जबकि वे कठपुतली नहीं हैं। यह पहली बार नहीं है जब क्रिस्टन स्टीवर्ट ने हॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति पर अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने कहा सेट पर एक्टिंग शुरू होने से पहले एक आम बात होती है। अगर अभिनेता अपनी कमजोरी को छिपाकर, कैमरे के सामने रोने से पहले सीना पीटते हुए एक गोरिल्ला की तरह व्यवहार कर सकते हैं, तो यह थोड़ा कम शर्मनाक लगता है। इससे यह किसी जादू की तरह लगता है, जैसे आप जो कर रहे हैं वह करना इतना असंभव है कि कोई और नहीं कर सकता।

चौथे दिन 150 करोड़ पार हुई 'बॉर्डर 2'

धुरंधर के बाद अब बॉक्स ऑफिस पर वॉर-ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' की गूंज सुनाई दे रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। सिर्फ तीन दिनों में ही 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करने वाली 'बॉर्डर 2' चौथे दिन भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। यही कारण है कि फिल्म ने चार दिनों में ही 150 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है।

23 जनवरी को रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' को सोमवार को गणतंत्र दिवस की छुट्टी होने के चलते एक दिन का अतिरिक्त वीकेंड मिला। यही कारण है कि फिल्म ने अपने चौथे दिन ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया।

खबर लिखे जाने तक फिल्म ने चौथे दिन सोमवार यानी गणतंत्र दिवस के मौके पर भी 46।48 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही 'बॉर्डर 2' का कुल कलेक्शन 167।48 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। इसके देर रात अभी और भी बढ़ने की उम्मीद है।

'बॉर्डर 2' ने अपने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 30 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में उछाल आई और ये बढ़कर 36।50 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इसके बाद तीसरे दिन फिल्म ने रविवार की छुट्टी का फायदा उठाते हुए 50 करोड़ से भी ऊपर की कमाई करते हुए 54।50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। अब चौथे दिन भी खबर लिखे जाने तक फिल्म 46।48 करोड़ रुपए की कमाई कर चुकी है।

'बॉर्डर 2' की जबरदस्त कमाई का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ये हर दिन 'धुरंधर' के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ रही है। 'धुरंधर' ने पहले दिन जहां 28 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं 'बॉर्डर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत 30 करोड़ रुपए के साथ की।

यही नहीं, सैकनिल्क के मुताबिक, 'धुरंधर' ने तीन दिनों में सिर्फ 103 करोड़ रुपए की कमाई की थी, जबकि 'बॉर्डर 2' ने 121 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। अब चौथे दिन भी जहां 'धुरंधर' सिर्फ 23.25 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर पाई थी। वहीं 'बॉर्डर 2' खबर लिखे जाने तक ही भी 43।28 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर चुकी है, जो 'धुरंधर' से अधिक है। इस तरह से 'बॉर्डर 2' ने चार दिनों में ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है जबकि 'धुरंधर' ऐसा नहीं कर पाई थी।

अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' में सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर की भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में उनके अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा फिल्म में मोना सिंह, सोनम बाजवा, आन्या सिंह और मेधा राणा भी अहम किरदारों में हैं।

'द 50' में मनीषा रानी और रजत दलाल की हुई एंट्री

इन दिनों रियलिटी शो द 50 चर्चा में है। इस शो में कई सेलेब्स नजर आएंगे। कुछ दिन पहले सेलिब्रिटी कपल युविका चौधरी और प्रिंस नरुला का नाम शो के लिए सामने आया है। दोनों इस शो का हिस्सा बनकर खुश हैं। हाल ही इंफ्लुएंसर मनीषा रानी और रजत दलाल के भी इस रियलिटी शो में होने की पुष्टि हुई। दोनों ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वह कैसे इस शो को खेलने वाले हैं।

धीरे-धीरे 'द 50' रियलिटी शो के प्रतियोगियों के नाम सामने आ रहे हैं। हाल ही में एक प्रेस मीट के दौरान रजत दलाल और मनीषा रानी से शो के बारे में बात की। मनीषा रानी ने कहा, 'हम जहां खड़े हो जाते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है।' वह इस रियलिटी शो को लेकर काफी एक्साइटेड दिख रही हैं। वहीं रजत दलाल ने भी कहा कि वह शो में फरमाइश नहीं करने जा रहे हैं, वह गेम खेलने जा रहे हैं। इस तरह यह दोनों ही प्रतियोगी 'द 50' रियलिटी शो को खेलने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं।

रजत दलाल और मनीषा रानी के अलावा फिल्म एक्ट्रेस युविका चौधरी भी 'द 50' की प्रेस मीट में नजर आईं। वह कई साल बाद किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन रही हैं। ऐसे में वह टीवी पर वापसी करके खुश हैं। इस शो में उनके साथ पति और एक्टर प्रिंस नरुला भी नजर आएंगे।

अजब-गजब | अमेरिका का यह शहर कहा जाता है 'झरिया'

अमेरिका में 60 साल से धधक रही है धरती अगले सौ साल तक नहीं बुझने वाली है आग!

अमेरिका में एक ऐसा शहर है जो झारखंड के झरिया की तरह सालों से जल रहा है। इसका नाम है Centralia, जो पेंसिल्वेनिया राज्य में है। यहां 1962 से भूमिगत कोयला खदान में लगी आग धधक रही है।

ये जगह पिछले 63 साल से जल रही है। लेकिन आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। एक समय यह खनन से समृद्ध शहर था, लेकिन आज यह भूतिया शहर बन चुका है। यहां सड़कें फटी हुई है। इससे धुआं निकलता है। और जहरीली गैसें फैलती है। इसी वजह से जगह को खाली करवा दिया गया था। अनुमान है कि अगले 250 साल तक यह आग नहीं बुझेगी! Centralia की कहानी 19वीं सदी से शुरू होती है। 1811 में Bull's Head नाम से बसा यह छोटा गांव बाद में Centreville और 1866 में Centralia Borough बन गया। 1840 के दशक से यहां एंथ्रासाइट कोयला खनन शुरू हुआ था। 1890 तक आबादी 2700 से ज्यादा हो गई। दुकानें, चर्च, सोशल हॉल सब खनन पर टिका था। मजदूरों की जिंदगी कोयला खदानों से जुड़ी थी। 1860 के दशक में Moll4 Maguires नामक

आयरिश संगठन से जुड़े मजदूर आंदोलन और हिंसा भी यहां हुई। ग्रेट डिप्रेशन में कई खदानें बंद हुई, लेकिन शहर टिका रहा। आग की शुरुआत 27 मई 1962 को हुई थी। स्थानीय कचरा जलाने के लिए एक खुले स्ट्रिप-माइन पिट में आग लगाई गई थी। आग नियंत्रण से बाहर हो गई और भूमिगत कोयला सीमा में फैल गई। कोयला जलने लगा। शुरुआत में इसे छोटा समझा गया, लेकिन जल्दी ही आग 8 मिलियन टन कोयले तक पहुंच गई। यह आग 400 एकड़ क्षेत्र में फैल गई। जमीन गर्म हो गई, सड़कें फटने लगीं, कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें निकलने लगी। 1979 में एक बच्चा गैस से बेहोश हो गया था। 1981 में मेयर के घर के पीछे जमीन धंस गई और धुआं निकलने लगा। 1980 के दशक में सरकार ने शहर को खाली करवाना शुरू किया। 1983 में राज्य ने 42 मिलियन डॉलर की योजना से घर खरीदे और तोड़े। ज्यादातर लोग चले गए। 1992 तक आबादी 63 रह गई। आज 2026 में Centralia में सिर्फ 4-10 लोग बचे हैं। पूरा शहर मिट चुका है। सिर्फ कुछ सडकें। कब्रिस्तान और धुआं उठता हुआ ग्राउंड बचा है। Pennsylvania में 38 सक्रिय माइन फायर हैं, लेकिन Centralia सबसे प्रसिद्ध है।

भारत में सबसे पहले यहां उड़ा था प्लेन यूपी के इस शहर ने रचा था इतिहास!

क्या आप जानते हैं कि भारत में पहली बार हवाई जहाज कहां उतरा था, उसने कहां से उड़ान भरी थी और उसमें कितने लोग सवार थे? अगर नहीं, तो कोई बात नहीं, आज हम आपको भारत की पहली उड़ान से जुड़ी उस ऐतिहासिक घटना की पूरी जानकारी आसान शब्दों में बता रहे हैं। भारत में उड़ान भरने वाला पहला विमान हम्बर्ट बायप्लेन था। यही वह विमान था जिसने सबसे पहले भारतीय जमीन पर उड़ान भरी और इतिहास रच दिया। इस विमान ने महज 6 मील यानी करीब 9.6 किलोमीटर की दूरी तय की थी। इसकी रफ्तार इतनी कम थी कि कहा जाता है, इसे दौड़ता हुआ इंसान भी पीछे छोड़ सकता था। भारत में पहली बार हवाई जहाज की उड़ान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में हुई थी। यह ऐतिहासिक पल 18 फरवरी 1911 का है। विमान ने इलाहाबाद के पोलो ग्राउंड से उड़ान भरी और मात्र 13 मिनट में 6 मील की दूरी तय कर नैनी में लैंड किया। यह वही हम्बर्ट बायप्लेन था, जिसने भारत की एविएशन हिस्ट्री की नींव रखी। उस दौर के शुरुआती विमानों की औसत गति करीब 40 से 45 मील प्रति घंटा (64-72 किमी/घंटा) हुआ करती थी। यह विमान ट्रॉली की तरह चलता था और बस से भी धीमा माना जाता था। जमीन पर एक तेज धावक इसे पछाड़ सकता था। इस उड़ान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को नहीं, बल्कि डाक पहुंचाना था। इस ऐतिहासिक उड़ान को पायलट हेनरी पिककेट ने अंजाम दिया था। वे इस हम्बर्ट बायप्लेन में करीब 6,500 चिट्ठियां लेकर उड़े थे। यह दुनिया की पहली आधिकारिक एयरमेल उड़ानों में से एक थी, जिसने वैश्विक स्तर पर भी रिकॉर्ड बनाया। विमान की यात्रा इलाहाबाद के पोलो ग्राउंड से शुरू होकर नैनी जंक्शन पर खत्म हुई। ब्रिटिश और कॉलोनियल एयरप्लेन कंपनी इस विमान को 1911 में भारत लाई थी। इसे प्रयागराज में आयोजित प्रदर्शनी और कुंभ मेले के दौरान दिखाने के लिए समुद्र के रास्ते 100 से ज्यादा पार्सल में भेजा गया था। ब्रिटिश इंजीनियरों ने कई दिनों की मेहनत के बाद इसे जोड़कर तैयार किया, जिसे देखने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे थे। जब प्रयागराज में इस विमान ने उड़ान भरी, तब करीब एक लाख लोग उस ऐतिहासिक पल के गवाह बने थे।

एसआईआर के मुद्दे को और धार देगी टीएमसी

» जल्द नई दिल्ली का दौरा करेंगी सीएम ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया को लेकर अब भी कोहराम जारी है। विस चुनाव के मद्देनजर टीएमसी इस मामले को शांत रखने के पक्ष में नहीं है। इसको ले कर राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच तल्खी बढ़ती जा रही है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोकभवन(राज्यपाल के आवास) में आयोजित एक कार्यक्र म के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया कि वह जल्द ही दिल्ली का दौरा करेंगी।

तृणमूल कांग्रेस की रणनीति इस बार न केवल राज्य स्तर पर, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और चुनाव आयोग को घेरने की है। बताते चलें कि गत चार नवंबर को कोलकाता में एक विशाल रैली के दौरान ममता बनर्जी के भतीजे वह तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव सांसद अभिषेक बनर्जी ने हुंकार भरी थी कि यदि एक भी वैध मतदाता का नाम सूची से हटाया गया, तो वह एक लाख समर्थकों के साथ दिल्ली कूच करेंगे। अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद कमान संभालते हुए दिल्ली जाने की पुष्टि कर दी है। ममता का यह दौरा बजट सत्र के दौरान हो सकता है, ताकि वह विपक्षी दलों के साथ मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकें। तृणमूल नेतृत्व का दावा है कि उन्होंने बंगाल में चुनाव आयोग की कथित धांधली को रंगे हाथों पकड़ा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल का मानना है कि बिहार, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विपक्षी दल वोटिंग मशीनरी की गड़बड़ी नहीं पकड़ पाए, लेकिन बंगाल में तृणमूल ने बूथ स्तर पर इसे उजागर किया है। ममता बनर्जी दिल्ली जाकर राष्ट्रीय मंच पर यह संदेश देना चाहती हैं कि किस तरह एसआईआर के नाम पर आम जनता को परेशान किया जा रहा है और वैध नागरिकों के नाम काटे जा रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन का मजबूत चेहरा बनकर उभरेंगी ममता

तृणमूल नेताओं का तर्क है कि इस आंदोलन से राष्ट्रीय स्तर पर ममता बनर्जी की स्वीकार्यता बढ़ेगी और वह विपक्षी गठबंधन (आईएनडीआईए) के भीतर एक मजबूत चेहरा बनकर उभरेंगी। फिलहाल दिल्ली दौरे की अंतिम तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री के इस रुख ने बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी हलचल तेज कर दी है।

यह बैठक निराधार है, कोर्ट का फैसला लागू करें : हुड्डा

» एसवाईएल पर पंजाब और हरियाणा के बीच हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। सतलुज-यमुना नहर परियोजना के लंबे समय से लंबित मुद्दे पर चर्चा के लिए पंजाब और हरियाणा की संयुक्त बैठक मंगलवार को चंडीगढ़ में हुई। यह बैठक सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार आयोजित की गई, जिसने दोनों राज्यों को बातचीत के माध्यम से मामले को सुलझाने का प्रयास करने को कहा था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बैठक में शामिल हुए।

वहीं एसवाईएल पर पंजाब व हरियाणा के मुख्यमंत्रियों के बीच बैठक को लेकर हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा यह बैठक निराधार है। रोहतक के डी पार्क में स्थित अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व सीएम ने यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से फैसला हरियाणा के पक्ष मे दिया जा चुका है। प्रदेश व केंद्र सरकार इस फैसले को लागू करवाए। इतने साल से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सरकार लागू क्यों नहीं कर पा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा शहीदों की वजह से हमें आजादी मिली है। सविंधान बचाने की जरूरत है। संविधान के साथ छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। यह संविधान पर प्रहार है।

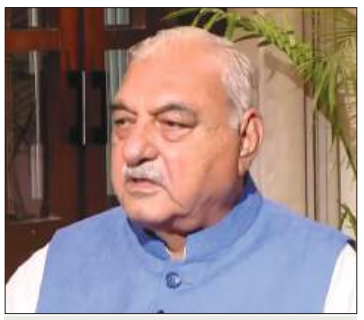

सीएम मान व सैनी बोले- बैठक सकारात्मक रही

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से हुई मुलाकात पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज सकारात्मक माहौल में सार्थक बातचीत हुई। हमने फैसला किया है कि दोनों राज्यों के अधिकारियों के स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाया जाएगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई। यह मुद्दा लंबे समय से लंबित है। हरियाणा हमारा शत्रु नहीं, बल्कि भाई है। आज यह निर्णय लिया गया है कि दोनों पक्षों के अधिकारी नियमित रूप से मिलेंगे। हम यह भी चाहते हैं कि दोनों राज्यों के अधिकारों से समझौता किए बिना जल्द से जल्द कोई समाधान निकाला जाए।

कर्मचारियों ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

» ली मतदाता दिवस व सड़क सुरक्षा की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। परिवहन कार्यालय अपने कर्तव्य पाल में हमेशा अग्रणी रहता है। जहां वह जनता से जुड़े कामों में तत्परता दिखाने में पीछे नहीं रहता वही सामाजिक व राष्ट्रीय पर्व के कार्य भी पूरी जिम्मेदारी से निभाता है। गाजीपर परिवहन कार्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। एआरटीओ धनबीर यादव ने कार्यालय के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर कार्यालय के सभी कर्मी भी मौजूद रहे। अपने संदेश में श्री याइव ने कहा कि सविंधान की रक्षा करना सभी का कर्तव्य है। इसी क्रम में उन्होंने सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलवाई।

इससे पहले जनपद के एआरटीओ क ार्यालय ने मतदाता दिवस धूमधाम से मनाया गया। एआरटीओ धनबीर यादव ने कार्यालय के कर्मचारियों को शपथ दिलाई। यह कार्यक्रम माई इंडिया, माई वोट, इंडियन सिटीजन एट द हार्ट ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी थीम पर आधारित है। इस अवसर कार्यालय के सभी पटलों के प्रभारी, बाबू , डीबीए व अन्य कर्मी शामिल हुए। कर्मचारियों में संजय कुमार सिंह, शिशिर चंद्र व अरुण कुमार की शपथ ग्रहण में अपनी मौजूदगी रही।

मेरी जान को खतरा : शकील अहमद

» कांग्रेस के पूर्व सांसद ने की थी टिप्पणी, बिहार पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व सांसद शकील अहमद ने दावा किया कि उनकी जान को खतरा है। यह बात उन्होंने राहुल गांधी को असुरक्षित नेता कहने के कुछ दिनों बाद कही है। बिहार से तीन बार विधायक और दो बार सांसद रह चुके अहमद ने कहा कि कांग्रेस के साथियों ने उन्हें गुप्त रूप से जानकारी दी है। अहमद के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व ने उन पर हमला करने का आदेश दिया है। यह हमला मंगलवार को पटना और मधुबनी में उनके घर पर पुतला जलाने के बहाने हो सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ है।

उन्होंने एक व्हाट्सएप चैट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जिसमें लोगों को उनका पुतला जलाने के लिए कहा गया था। अहमद ने कहा कि उन्हें कांग्रेस के दोस्तों के फोन आए थे, जिन्होंने उन्हें बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं को उन पर हमला करने के लिए कहा गया है। उन्होंने दावा किया कि इस आदेश के पीछे कांग्रेस नेतृत्व का हाथ है। अहमद ने कहा, मेरी राय गलत हो सकती है, लेकिन मुझे बोलने का पूरा हक है। हालांकि कांग्रेस से पाला बदलने वाले शकील अहमद के घर के बाहर बिहार पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

अहमद जैसे लोग नए मालिकों को खुश करने के लिए राहुल पर हमला कर रहे : टैगोर

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने अहमद को जयचंद कहा है। टैगोर ने कहा कि राहुल गांधी ने देश को जोड़ने के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा की, लेकिन अहमद जैसे लोग नए मालिकों को खुश करने के लिए उन पर हमला कर रहे हैं। टैगोर ने उन्हें 2026 के जयचंदों के नए समूह का हिस्सा बताया।

राहुल गांधी की तानाशाही शैली उजागर : भाजपा

शकील अहमद के बयान पर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रवक्ताओं ने कहा कि इन आरोपों ने राहुल गांधी की तानाशाही शैली को उजागर कर दिया है।

भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल राजनीति करना : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भर्ती परीक्षाओं में 'ओएमआर शीट' बदले जाने के मुद्दे को लेकर एक बार फिर भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि ऐसा लगता है सरकार का उद्देश्य व्यवस्था को सही करने और युवाओं को न्याय दिलाने के बजाय केवल राजनीति करना है।

गहलोत ने कहा, हम युवाओं के साथ न्याय के लिए बीते 11 साल में हुई भर्तियों की जांच कराने की मांग करते हैं। कांग्रेस की सरकार के दौरान हुई भर्तियां भी शामिल हैं। गहलोत के अनुसार जोधपुर के शेरगढ़ उपखंड में सड़क पर रीट 2025 के दर्जनों एडमिट कार्ड पड़े मिले हैं जबकि वहां 100 किलोमीटर तक कोई परीक्षा केन्द्र नहीं था।

तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष दो टी20 से भी बाहर

» विश्वकप से पहले होंगे फिट श्रेयस अय्यर टीम में बने रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के शेष दो मैचों से भी बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने यह जानकारी दी है। तिलक चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं इस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। बीसीसीआई ने बताया कि तिलक की जगह श्रेयस अय्यर टीम में बने रहेंगे। बीसीसीआई ने तिलक वर्मा की सेहत पर अपडेट देते हुए कहा है कि उन्होंने शारीरिक ट्रेनिंग शुरू कर दी है और वह बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं।

हालांकि, उन्हें पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम दो टी20 मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बीसीसीआई ने बताया कि जैसे ही तिलक पूरी तरह मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे वो तीन फरवरी को विश्व कप में भारत के अभ्यास मैच से पहले मुंबई में टीम से जुड़ जाएंगे। पुरुष चयन समिति ने सिफारिश की है कि शेष मैचों में तिलक वर्मा के स्थान पर श्रेयस अय्यर को ही टीम में बरकरार रखा जाए। श्रेयस फिलहाल भारतीय टीम के साथ हैं, लेकिन उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन मैचों के लिए प्लेइंग-11 में नहीं चुना गया है। तिलक की पेट की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय तिलक विजय हजारे ट्रॉफी में हैदराबाद की ओर से खेल रहे थे, जब नाश्ते के बाद अचानक उन्हें पेट में तेज दर्द हुआ। स्थिति गंभीर होती देख उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जांच में पता चला कि उन्हें एब्डॉमिनल चोट है और मेडिकल टीम ने सर्जरी की सलाह दी थी। तिलक तभी से मैदान से बाहर हैं।

विश्वकप से पहले सैमसन की फॉर्म ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले तीन मुकाबले में भी वह प्रभावित नहीं कर सके हैं। सैमसन अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत का संयोजन लगभग तय है, लेकिन कुछ स्थानों के लिए माथापच्ची अब भी जारी है। अभी तक यह तय लग रहा था कि अभिषेक शर्मा के साथ सैमसन ही पारी का आगाज करने उतरेंगे, लेकिन जिस तरह से वह खराब फॉर्म में चल रहे हैं और ईशान किशन दमदार लय में दिख रहे हैं, उससे इस बात की संभावना दिख रही है कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है। तिलक के चोटिल होने के कारण ईशान किशन तीसरे नंबर पर उतर रहे हैं, जबकि सूर्यकुमार चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ रहे हैं। जब तिलक वापसी करेंगे तो ईशान को किस तरह एकादश में फिट बैठाया जाए इसे लेकर चिंता करनी पड़ेगी, लेकिन अगर सैमसन शेष दो मैचों में भी इसी तरह की बल्लेबाजी करेंगे तो उनकी जगह ईशान ले सकते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह में बैठने की व्यवस्था को लेकर सियासी घमासान

कांग्रेस ने भाजपा पर अपमान करने का लगाया आरोप, भाजपा बोली- नेता प्रतिपक्ष ने पूर्वोत्तर की संस्कृति का नहीं किया सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह में बैठने की व्यवस्था को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। कांग्रेस ने भाजपा पर इस मामले को लेकर करारा प्रहार किया है। जहाँ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर विपक्ष का जानबूझकर अपमान करने का आरोप लगाया है। इसके जवाब में, भाजपा ने राष्ट्रपति के स्वागत समारोह में राहुल गांधी द्वारा गमोसा न पहनने को पूर्वोत्तर की संस्कृति का अपमान बताते हुए कांग्रेस पर पलटवार किया है।

गणतंत्र दिवस समारोह में बैठने की व्यवस्था को लेकर मंगलवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी बहस हुई। खरगे ने कहा कि मैं सबसे वरिष्ठ नेता हूं, वे मुझे तीसरी पंक्ति में और राज्य मंत्रियों के साथ कैसे बिठा सकते हैं? आपने मेरा, कांग्रेस का और संविधान का अपमान किया है। इससे पहले, भाजपा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित गृह सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अनुरोध के बावजूद पटका न पहनने के कारण राहुल गांधी पर पूर्वोत्तर की संस्कृति और लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी के इस कदम की कड़ी निंदा की और कहा कि इससे उत्तर के प्रति उपेक्षा की भावना और मजबूत होती है।

दो विपक्षी नेताओं को तीसरी पंक्ति में बैठाकर संविधान का अपमान किया गया : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर विधानसभा चुनावों को देखते हुए जानबूझकर विपक्ष का अपमान करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर दो विपक्षी नेताओं को समारोह के दौरान तीसरी पंक्ति में बैठाकर संविधान का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित स्वागत समारोह के दौरान असमिया गमोसा को लेकर उठे विवाद पर भी स्पष्टीकरण दिया।

पटके को लेकर भी मचा था बवाल

भाजपा नेताओं के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों सहित गृह स्वागत समारोह में सभी ने पटका पहना था। असम के मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, समय बदल सकता है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के वास्तविक सर्वोच्च नेता राहुल गांधी का रवैया अफसोसजनक रूप से अपरिवर्तित प्रतीत होता है। पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति घोर असंवेदनशील और अपमानजनक कृत्य करते हुए, गांधी ने भारत के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक पारंपरिक पटका को नहीं पहना।

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- आगामी चुनावों के लिए उठा रहे गमोसा का मुद्दा

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी ने गमोसा पहना था। खाना खाते समय उन्होंने उसे मोड़कर रख दिया। भाजपा इसे मुद्दा बना रही है। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान दो विपक्षी नेताओं को तीसरी पंवि त में बैठाकर वे संविधान का अपमान कर रहे हैं। हम भी राज्य मंत्रियों के साथ भारत के राष्ट्रपति से मिलने के लिए कतार में खड़े थे। वे जानबूझकर विपक्ष का इतना अपमान कर रहे हैं, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं जब वे (भाजपा) कहते हैं कि कांग्रेस पूर्वोत्तर का अपमान करने के लिए ऐसा कर रही है। वे ऐसा सिर्फ कांग्रेस को अपमानित करने और आगामी चुनावों के लिए कर रहे हैं।

विजय की फिल्म जना नायकन को बड़ा झटका

» हाईकोर्ट ने सर्टिफिकेट संबंधी आदेश किया रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने सिंगल जज के आदेश को रद्द कर CBFC को जवाब देने का समय देने का निर्देश दियासिंगल जज ने बिना काउंटर एफिडेविट के फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट मामले में फैसला दिया था, जो उचित नहीं माना गयाअभिनेता विजय की फिल्म 'जना नायकन' की पोंगल पर रिलीज फिर से अनिश्चित हो गई है और मामला कोर्ट में लंबित है मद्रास हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने उस आदेश रद्द कर दिया, जिसमें एक सिंगल जज ने सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) को एक्टर विजय की फिल्म 'जना नायकन को तुरंत सेंसर सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया था।

जस्टिस एम. एम. श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुल मूर्गन की बेंच ने कहा कि सिंगल जज जस्टिस पी. टी. आशा को सीबीएफसी को जवाब दाखिल करने के लिए समय देना चाहिए था। बेंच ने माना कि बिना काउंटर एफिडेविट के मेरिट्स में जाना उचित नहीं था। इस आदेश के बाद फिल्म की रिलीज पर फिर संकट मंडरा गया है, 'जना नायकन इस महीने पोंगल पर रिलीज होने वाली थी. बताया जा रहा है कि यह अभिनेता विजय की राजनीति में औपचारिक प्रवेश से पहले उनकी आखिरी फिल्म है। इसके बाद वो पूरी तरह से राजनीति की दुनिया में सक्रि य रहेंगें। हाईकोर्ट ने फिल्म के निर्माता को निर्देश दिया कि वे इस मामले के तुरंत निपटारे के लिए सिंगल जज के सामने फिर से अप्रोच कर सकते हैं। बेंच ने यह भी कहा कि सिंगल जज यह तय करने के लिए स्वतंत्र होंगे कि मामला रिवाइजिंग कमिटी को भेजना सही था या नहीं, क्या चेयरपर्सन का निर्णय उचित था।

लखनऊ नगर निगम सदन व बाहर हंगामा

भाजपा के दलित पार्षद ने महापौर के ओएसडी पर लगाए गंभीर आरोप

» सपा और कांग्रेस पार्षद सामान्य सदन से पहले पुनरीक्षित बजट को लेकर बवाल काटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज लखनऊ नगर निगम का सामान्य सदन चल रहा है। सपा और कांग्रेस पार्षद सामान्य सदन से पहले पुनरीक्षित बजट को लेकर हंगामा किया। भाजपा पार्षद एकजुट होकर मेयर के पक्ष में आ गए। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- मैंने सामान्य सदन और पुनरीक्षित बजट दोनों का प्रस्ताव भेज दिया है।

वहीं बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पार्षद अमित चौधरी ने पार्टी और नगर निगम व्यवस्था को लेकर बड़ा दर्द सार्वजनिक रूप से सामने रखा है। पार्षद ने महापौर के ओएसडी श्री प्रकाश उपाध्याय पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके और उनके वार्ड के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है।

अवैध डेयरी के खिलाफ अभियान चलाने के बाद पकड़ी गई गायों को छुड़वा देते हैं ओएसडी : अमित

पार्षद अमित चौधरी का कहना है कि जब भी वे अवैध डेयरी के खिलाफ अभियान चलाते हैं, तो महापौर के ओएसडी प्रकाश उपाध्याय पकड़ी गई गायों को छुड़वा देते हैं। इतना ही नहीं, अभियान में शामिल अधिकारियों को सस्पेंड कराने तक की धमकी दी जाती है। पार्षद ने सवाल उठाया कि आखिर उनके वार्ड में ही इस तरह की दखलअंदाजी क्यों की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें 15वां वित्त आयोग और अवस्थापना मद से कोई भी कार्य नहीं दिया जा रहा है। वहीं जीएम जलकल पर महापौर की विशेष मेहरबानी है, जबकि उनका वार्ड गंदे पानी और सीवर की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। पार्षद ने कहा कि वे लंबे समय से इन समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। अमित चौधरी ने यह भी कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेताओं के कहने पर वे पार्टी में शामिल हुए थे, लेकिन दलित पार्षद होने के कारण उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सदन में बोलने तक नहीं दिया जाता, जबकि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्याएं सदन में रखना उनका अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें 15वां वित्त आयोग और अवस्थापना मद से कोई भी कार्य नहीं दिया जा रहा है। वहीं जीएम जलकल पर महापौर की विशेष मेहरबानी है, जबकि उनका वार्ड गंदे पानी और सीवर की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। पार्षद ने कहा कि वे लंबे समय से इन समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उधमपुर। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर मंगलवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उधमपुर जिले के शारदा माता के पास हुई, जहां एक बस और एक मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि बस उधमपुर की ओर जा रही थी और कथित तौर पर तेज रफ्तार में थी। हादसे की गंभीरता के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसमें बस सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

पश्चिम बंगाल में गोदामों में भीषण आग से 8 लोगों की दर्दनाक मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ दो गोदामों में लगी भीषण आग ने कम से कम आठ लोगों की जान ले ली। यह हादसा कोलकाता के नरेन्द्रपुर थाना क्षेत्र के नजीराबाद इलाके में हुआ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नजीराबाद में स्थित दो गोदाम, जो एक-दूसरे के बिल्कुल बगल में थे, अचानक आग की लपटों में घिर गए। आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को लगभग सात घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान करीब पांच बजे घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए और बाद में पांच अन्य शवों को ढूंढ निकाला गया। बारुईपुर जिले के पुलिस अधीक्षक शुभेंदु कुमार ने बताया कि शव बुरी तरह झुलसे होने के कारण अभी मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

थरूर को लेकर एक बार फिर सियासी बवाल

कांग्रेस बोली- उनकी जो भी समस्याएं होंगी उनका समाधान कर लिया जाएगा

» विदेश में किसी भी प्रकार की कोई भी प्रतिक्रिया उचित नहीं : थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने ऐसी खबरें देखी हैं जिनमें दावा किया गया है कि उन्होंने दुबई में माकपा से जुड़े लोगों के साथ चर्चा की है। हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वह दुबई में एक साहित्य महोत्सव में भाग ले रहे हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने थरूर के पार्टी में शामिल होने की किसी भी चर्चा को महज अटकलें बताकर खारिज कर दिया। वहीं कांग्रेस ने कहा कि वह एक वरिष्ठ नेता हैं, उनकी जो भी समस्याएं होंगी उनका समाधान कर लिया जाएगा। कांग्रेस ने इस बात से इनकार किया कि थरूर पार्टी छोड़ रहे हैं। थरूर ने इन खबरों पर उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए संपर्क किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने दुबई की यात्रा के दौरान ऐसी खबरें देखीं, लेकिन विदेश में रहते हुए ऐसे मामलों पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। तिरुवनंतपुरम के लोकसभा सदस्य के किसी अन्य राजनीतिक दल में जाने की अटकलें इन खबरों के बाद सामने आईं कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कोच्चि में हाल के एक कार्यक म में उनकी कथित तौर पर उपेक्षा किए जाने और राज्य में पार्टी नेताओं द्वारा उन्हें ''दरकिनार करने'' से नाराज हैं।

थरूर के पार्टी में शामिल होने की बातें अटकलें: गोविंदन

इन घटनाक्र मों पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा के प्रदेश सचिव एम.वी. गोविंदन ने थरूर के पार्टी में शामिल होने को लेकर किसी भी चर्चा के बारे में उठ रहे सवालों को महज अटकलबाजी बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि ऐसी खबरों की कोई प्रासंगिकता नहीं है। गोविंदन ने कहा, थरूर कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बने हुए हैं। वे नियमित रूप से भाजपा के प्रधानमंत्री की प्रशंसा करने का एक अलग दृष्टिकोण अपनाते हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि उनके माकपा में शामिल होने की अफवाहें प्रासंगिक हैं।

थरूर ने कांग्रेस के लिए कोई समस्या खड़ी की है इसकी जानकारी नहीं : सतीशन

इस बीच, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि थरूर ने कांग्रेस के लिए कोई समस्या खड़ी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने पूछा, आप तरह-तरह की रिपोर्ट देते हैं और फिर हमसे जवाब मांगते हैं। इस बारे में मैं क्या कह सकता हूं?। उन्होंने कहा कि थरूर पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और अगर कोई समस्या होगी भी तो उसका समाधान कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, अगर उन्हें कोई शिकायत है तो राष्ट्रीय नेतृत्व इसकी पड़ताल करेगा और हम इसे उनके संज्ञान में लाएंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।